सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 130 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 16 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।

-रवीन्द्रनाथ टैगोर

ममता सरकार फिर पहुंची... 8 | विज्ञापन को लेकर महाराष्ट्र में... 3 | 'बिना झूठ बोले शिवराज का खाना... 7

नेहरू मेमोरियल का नाम बदलने पर सियासी कोहराम

» अब पीएम मेमोरियल के नाम से जाना जाएगा

» मोदी सरकार पर कांग्रेस का जबर्दस्त हमला

» राजीव गांधी खेल रत्न को बदल कर किया था ध्यानचंद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। नाम में क्या रखा है अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। नाम में बहुत कुछ रखा है तभी तो मोदी सरकार पुराने नामों को बदलने में लगी है। अब उसने दिल्ली स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को प्रधानमंत्री म्यूजियम एंड सोसाइटी के नाम से कर दिया है। नाम बदलने पर पूरे देश में सियासी कोहराम भी मच गया है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा है कि नाम में बदलाव प्रतिशोध और संकीर्णता का नतीजा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जिनका कोई इतिहास नहीं वो इतिहास बदलने में लगे हुए है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार तानाशाही कर रही है। उनके ऐसा करने से भारत के शिल्पी पं. जवाहर लाल नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

ये पहली बार नहीं है, जब इस तरह से किसी स्थान का नाम बदला गया है। पिछले नौ साल में कई सरकारी योजनाएं, प्रतीक, स्थान, सड़क और पुरस्कारों के नाम भी बदले जा चुके हैं। पिछले साल ही ध्यानचंद खेल रत्न कर दिया गया है। इंदिरा आवास योजना जो गरीबों के लिए मुफ्त आवास की योजना है। इसे 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना कर दिया गया। इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना को एक जनवरी 2017 में बदलकर प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना कर दिया गया। इस तरह से कई अन्य योजनाओं के नाम भी बदले गए हैं।

पंडित नेहरू ने यहां ली थी अंतिम सांस

दरअसल तीन मूर्ति मार्ग पर बना हुआ प्रधानमंत्री संग्राहलय देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का घर रहा था। भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनके अंतिम सांस लेने तक पंडित जवाहर लाल नेहरू वहीं रहते थे, उनकी मृत्यू के बाद, उनकी यादों को संजोने के लिए बाद की सरकारों ने उस घर को मेमोरियल घोषित कर दिया और उसी घर के अहाते में एक लाइब्रेरी का निर्माण कराया।

राजपथ को कर्तव्य पथ नाम दिया गया

दिल्ली का ऐतिहासिक राजपथ अब कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाता है। पिछले साल आठ सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्तव्य पथ का उद्घाटन किया है। कर्तव्य पथ का दायरा रायसीना हिल्स पर बने राष्ट्रपति भवन से शुरू होता है और विजय चौक, इंडिया गेट, फिर नई दिल्ली की सड़कों से होते हुए लाल किले पर खत्म। इन्हीं सड़कों पर हर 26 जनवरी पर गणतंत्र दिवस की परेड होती है। करीब साढ़े तीन किलोमीटर की दूरी के इस रास्ते के इतिहास में जाएं तो पहले इसे किंग्सवे और फिर राजपथ के नाम से जाना जाने लगा था।

मुगल गार्डन अब अमृत उद्यान

राष्ट्रपति भवन में मौजूद मुगल गार्डन को भी इस साल नया नाम मिल गया है। अब इसे अमृत उद्यान के नाम से जाना जाता है। बताया जा रहा है कि मुगल गार्डन का नाम अमृत महोत्सव के तहत बदला गया है। यह हर साल आम लोगों के लिए खुलता है। इस साल भी 31 जनवरी से आम लोगों के लिए खुल गया।। लोग यहां ट्यूलिप और गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के फूलों को देखने जाते हैं।

सभी प्रधानमंत्री के किए गये योगदान का सम्मान : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बीते दिन इस संग्राहलय का दौरा कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सभी प्रधानमंत्रियों द्वारा राष्ट्र की रक्षा और विकास में किए गये योगदान का सम्मान करने के लिए, नई दिल्ली में 'प्रधानमंत्री संग्राहलय' की स्थापना की है। उन्होंने आगे कहा यह संग्राहलय भारत की विकास यात्रा को प्रतिबिंबित करता है और देश के लोकतंत्र की जीवंतता और सफलता की कहानी भी कहता है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि वे इस प्रधानमंत्री संग्राहलय को कम से कम एक बार देखने अवश्य जायें। बता दें कि नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी परिसर में ही पीएम मोदी द्वारा एक साल पहले प्रधानमंत्री संग्राहलय का उद्घाटन किया गया था।

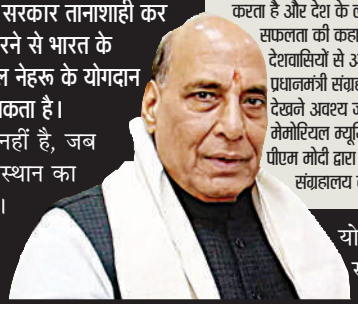

संकीर्णता और प्रतिशोध का दूसरा नाम मोदी: जयराम

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार (16 जून) को नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदले जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और उनको संकीर्ण सोच और बदला लेने वाला व्यक्ति बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक ट्वीट किया और कहा कि संकीर्णता और प्रतिशोध का दूसरा नाम मोदी है। 59 वर्षों से अधिक समय से नेहरू स्मारक संग्राहलय और पुस्तकालय एक वैश्विक बौद्धिक ऐतिहासिक स्थल और पुस्तकों और अभिलेखों का खजाना रहा है। अब से इसे प्रधानमंत्री म्यूजियम और सोसायटी कहा जाएगा, पीएम मोदी भारतीय राष्ट्र-राज्य के शिल्पकार के नाम और विरासत को विकृत करने, नीचा दिखाने और नष्ट करने के लिए क्या नहीं करेंगे।

कई शहरों के नाम बदले गए

केंद्र सरकार में भाजपा आने के बाद देश के कई राज्यों में राज्य सरकारों ने जिलों के नाम भी बदले हैं। खासतौर पर उन राज्यों ने जहां भाजपा की सरकार है। मसलन इलाहाबाद को प्रयागराज, फैजाबाद को अयोध्या, होशंगाबाद को नर्मदापुरम कर दिया गया है। इसके अलावा कई रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि के नाम भी बदले गए हैं। यहां तक की सड़कों के नाम भी बदले गए हैं।

इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति की जगह केंद्र सरकार ने सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगवाई। यही नहीं, भाजपा शासित राज्यों में कई जिलों के नाम भी बदल गए हैं। राजीव गांधी खेल रत्न भारत में खेल जगत में दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। छह अगस्त 2021 को इस पुरस्कार का नाम बदलकर कर मेजर

इंफाल में केंद्रीय मंत्री के घर में लगाई आग

» मणिपुर के हालात में नहीं हो रहा है बदलाव

» उपद्रवियों ने नहीं रोकी हिंसा, पेट्रोल बम भी दागे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना में केंद्रीय मंत्री के घर में आग लगा दी गई। मणिपुर सरकार की ओर से बताया गया कि भीड़ ने गुरुवार देर रात केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के कोंगबा स्थित आवास में आग लगा दी। गनीमत रही कि केंद्रीय मंत्री घटना के समय घर पर नहीं थे।

इससे पहले कुछ उपद्रवियों ने बुधवार को इंफाल पश्चिम के लाम्फेल क्षेत्र में एक मंत्री के घर को आग लगा दी थी। नेमचा किपगेन भाजपा और राज्य सरकार में मंत्री हैं। किपजेन 2017 से कांगपोकपी निर्वाचन क्षेत्र से मणिपुर विधानसभा की सदस्य हैं।

देश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि मैं इस समय आधिकारिक काम के लिए केरल में हूं। शुक्र है कि कल रात मेरे इंफाल स्थित घर में कोई घायल नहीं हुआ। बदमाश पेट्रोल बम लेकर आए थे। मेरे घर के भूतल और पहली मंजिल को नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे गृह राज्य में जो हो रहा है उसे देखकर बहुत दुख होता है। मैं अब भी शांति की अपील करता रहूंगा। इस तरह की हिंसा में लिप्त लोग बिल्कुल अमानवीय हैं।

बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार

» रत्नेश सदा ने ली मंत्री पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन के नीतीश कुमार कैबिनेट से इस्तीफे के बाद शुक्रवार को जनता दल यूनाईटेड कोटे से 13 साल से विधायक और सहरसा के सोनवर्षा राज के प्रतिनिधि रत्नेश सदा को मंत्रीपद की शपथ दिलाई गई। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई।

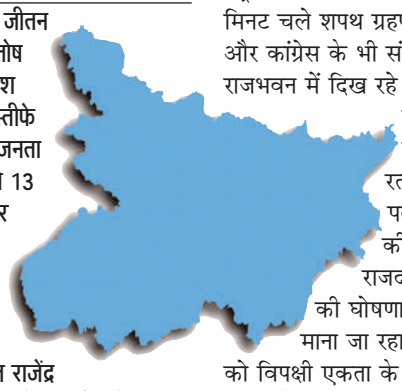

समारोह में सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह मौजूद थे। 8 मिनट चले शपथ ग्रहण समारोह में राजद और कांग्रेस के भी संभावित मंत्री राजभवन में दिख रहे थे, लेकिन पूर्व की घोषणा के अनुसार जदयू के विधायक रत्नेश सदा को सिर्फ पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। राजद-कांग्रेस के नामों की घोषणा नहीं होने के कारण माना जा रहा है कि अब 23 जून को विपक्षी एकता के लिए पटना में होने वाली बैठक के बाद एक बार फिर बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार हो।

भाजपा राज में खुलेआम हो रही हत्याएं : अखिलेश

» प्रदेश में विकास कार्य ठप

» सपा कार्यकर्ता चुनाव के लिए जुट जाएं

» आने वाली पीढ़ी और देश का भविष्य तय करेंगे अगले चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने महंगाई, बेरोजगारी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं। मरीजों को अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पा रहा है। खुलेआम हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनाव में सपा भाजपा को सत्ता से दूर कर देगी। सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को सजग करते हुए कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

अखिलेश ने कहा कि सपा सरकार की विकास योजनाएं ही आज दिखाई दे रही है और उनसे जनता को लाभ मिल रहा है।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये चुनाव आने वाली पीढ़ी और देश का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से साफ कहा कि पार्टी में अब आपसी गुटबंदी नहीं चलेगी। इस बार चूक न करें। सपा राज्य मुख्यालय में अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुटता, निष्ठा और ईमानदारी से बूथ मजबूत करने के काम में अभी से जुट जाएं। उन्होंने कहा कि सपा के पास भविष्य का विजन और विकास का मॉडल है। समाजवादी सरकार में विकास के जो मानक तय किए थे वही 'समाजवादी माडल' है।

महंगाई को लेकर सपा ने भाजपा को घेरा

समाजवादी पार्टी ने महंगाई के मुद्दे पर भाजपा पर जुबानी हमला बोला। सपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में मुख्य अतिथि अमेठी प्रभारी व पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। हर एक मुद्दे पर कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी। पूर्व एमएलसी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा कर चुनाव जीतने के गुर बताए। पूर्व एमएलसी ने कहा कि महंगाई से आम जनता परेशान है, किसी को नहीं ध्यान है। कहा कि यहां की सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पिछले चुनाव में 13 रुपये प्रति किलो चीनी देने का वादा किया था, क्या अमेठी में 13 रुपए में चीनी मिल रही है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला हो रहा है। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने सम्मेलन की रणनीति और संगठन को मजबूत करने के लिए तन मन से जुटने के लिए कहा। सपा नेता चौधरी सुखराम यादव ने शिक्षा, रोजगार, बिजली, पानी व सड़क की सेवाएं बदहाल बताई। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष मनीराम वर्मा, लालजी यादव, लवकुश यादव, जयसिंह यादव, अवधेश बहादुर यादव, गुंजन सिंह, बबलू यादव आदि मौजूद रहे।

महाराष्ट्र में हमारा गठजोड़ मजबूत, टूटेगा नहीं : शिंदे

» फडणवीस ने भी विरोधियों को कराया चुप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विरोधियों को चुप कराते हुए कहा कि उनका गठजोड़ बहुत मजबूत है कभी नहीं टूटेगा। दोनों ने यह बात पालघर में आयोजित 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में कही। शिंदे की शिवसेना द्वारा दिन पहले अखबारों में विज्ञापन देकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को फडणवीस से ज्यादा लोकप्रिय बताने के बाद गुरुवार को दोनों एक मंच पर आए थे।

फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार महाविकास आघाडी सरकार से ज्यादा मजबूत है। विज्ञापन की वजह से हमारे बीच कोई दूरी आने से रही। विज्ञापन से हमारी सरकार गिर जाए, इतनी कमजोर नहीं है। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'यह फेविकोल का जोड़ है, टूटेगा नहीं।' कार्यक्रम में उन्होंने फडणवीस का उल्लेख 'लोकप्रिय उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस साहब' कह कर किया। वहीं, फडणवीस ने भी भाषण की शुरुआत में शिंदे का उल्लेख 'महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री' कहकर किया।

दिल्ली तक गया मामला

शिंदे और फडणवीस के बीच टकराव का मामला वरिष्ठों तक पहुंचा। शिंदे के सांसद पुत्र श्रीकांत शिंदे विज्ञापन प्रकाशित होने के तत्काल बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। उसके बाद शिंदे और फडणवीस एक साथ पालघर के कार्यक्रम में शामिल हुए। पालघर का कार्यक्रम खत्म होने बाद जब दोनों नेता मुंबई लौटे, तो देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे की सरकारी गेस्ट हाउस 'सह्याद्रि' के एक बंद कमरे में काफी देर तक मीटिंग हुई।

विपक्षी एकता का कोई लाभ नहीं : गुलाम नबी

» जम्मू-कश्मीर चुनाव पर भी आवाज उठाएं सियासी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में छह साल से चुनाव नहीं होने पर एक भी पार्टी ने अपनी आवाज नहीं उठाई। आजाद ने कहा कि उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्षी एकता से कोई लाभ होता नहीं दिख रहा।

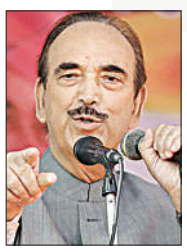

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक के बारे में पूछे जाने पर आजाद ने कहा कि उन्हें इसमें आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता का लाभ तभी मिलेगा जब दोनों पक्षों के लिए कुछ होगा। दोनों के लिए लाभ के हिस्से में अंतर हो सकता है– यह 50–50 या 60–40 हो सकता है – लेकिन इस मामले में, दोनों पक्षों के पास दूसरे को देने के लिए कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस पर साधा निशाना

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद ने कहा कि इसी तरह, आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के पास एक भी विधायक नहीं है। जबकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी के पास कहीं और कोई विधायक नहीं है। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस उन्हें (रेड्डी को) क्या देगी और रेड्डी कांग्रेस को क्या देंगे।

कांग्रेस कर रही है आप की नकल : भारद्वाज

» कांग्रेस में नेताओं और विचारों की कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी ने देश की सबसे नई पार्टी के विचार और घोषणा पत्र चुराने का कार्य किया है, जबकि पहले कांग्रेस ने आप के कई फैसलों का मजाक बनाया था। अब उसी कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में केजरीवाल को कॉपी किया।सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को लेकर रोजाना लोगों के बीच चर्चा रहती है।

खास कर कांग्रेस के ना उभर पाने और बदहाली के पीछे के कारण, उसके नेताओं में क्या समस्या आदि पर प्रकाश डाला जाता है, मगर अब कांग्रेस के विषय में सामने आ रही बातों से लगता है कि कांग्रेस में ना सिर्फ नेताओं की कमी है, बल्कि विचारों की भी कमी है।

राजधानी की चिंता छोड़ इधर- उधर भटक रहे केजरीवाल : बिधूड़ी

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली की समस्याओं की चिंता छोड़कर अब विपक्षी नेताओं के दरवाजों पर गिड़गिड़ा रहे हैं। स्थिति यह है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहे। बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली में भीषण गर्मी के दौरान पानी का गंभीर संकट पैदा हो गया है। मुनक नहर के टूटने से आधी दिल्ली प्यासी है। मानसून से पहले सिर्फ 30 फीसदी नालों की सफाई हुई है। नई बसें न आने से दिल्ली का पब्लिक ट्रांसपोर्ट दम तोड़ चुका है और बसों में आग लगने की घटनाएं रोज हो रही हैं। प्रदूषण पर नियंत्रण करने में सरकार नाकाम रही है। समस्याओं पर ध्यान देने की बजाय केजरीवाल पर इन दिनों विपक्षी दलों की एकता का बुखार चढ़ा हुआ है।

फ्रॉड बाबा सनातन धर्म का कर रहे विनाश : दिग्विजय

» बोले जिहाद का मतलब मेहनत और मशक्कत करना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को ट्वीट किए कि अज्ञानी सनातन धर्म विरोधी आरएसएस के स्वयंसेवकों और वीएचपी के बाबाओं को जिहाद का क्या मतलब होता है, यह समझाओ। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में बताया कि जिहाद एक अरबी शबद है। जिसका अर्थ है, प्रयत्न करना नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए की जाने वाली जद्दोजहद या संघर्ष, किसी जायज मांग के लिए लिए भरपूर कोशिश करना या आंदोलन और जिसका मलतब मेहनत और मशक्कत करना भी है।

इसके अलावा एक अन्य ट्वीट में

दिग्विजय सिंह ने लिखा कि क्या पढ़ाई व रोज़गार में मेहनत और मशक्क़त करना भी जिहाद है? क्या करें जब अनपढ़ लोग शक्तिशाली पदों पर पहुंच जाते हैं। फ्राड बाबा लोग सनातन धर्म पर प्रवचन करने लगते हैं तो क्या देश व सनातन धर्म विनाश की ओर नहीं जायेगा?

संतों का अपमान कर रहे दिग्विजय : नरोत्तम

दिग्विजय सिंह पर पलटवार करते हुए गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने लिखा दिग्विजय सिंह ने अद्भुत व्याख्या दी है। दिग्विजय सिंह ने कभी आईएसआइ, अलकायदा, पीएफआइ, सिमी जैसे संगठनों की परिभाषा समझाई? आपको बस आदत बन गई है सनातन धर्म का अपमान करने की, इस पर हमला करने की। उन्होंने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने लव जिहाद को लेकर बच्चियों को संस्कार देने की बात कही। ऐसे संतों को ढोंगी कहना सनातन का अपमान है। मिश्रा ने कहा कि मैं कमल नाथ जी, प्रियंका

जी से सवाल पूछना चाहता हूं कि जो दिग्विजय ने सनातनी संतों के बारे में बोला है, इस आपत्तिजनक बयान को क्या आप सही मानते हैं। यदि सही मानते हैं तो हां कहें और यदि नहीं मानते हैं तो उन पर कार्रवाई करें। लेकिन ये तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं इसलिए ये मौन ही रहेंगे।

विज्ञापन को लेकर महाराष्ट्र में रार

» विपक्ष ने कहा भाजपा-शिवसेना में सब कुछ ठीक नहीं

» फडणवीस व एकनाथ बोले सब ठीक

» राउत ने भी बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विज्ञापन को लेकर सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने इसको लेकर कहा है कि वहां पर सब कुछ ठीक नहीं है जबकि शिवसेना व भाजपा ने इन खबरों को एक सिरे से नकार दिया है। बात कुछ भी हो पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राज्य की राजनीति में उठापटक जारी है। एनसीपी में बवाल हुआ, पहले शरद पवार का इस्तीफा फिर अध्यक्ष बनना उसके कुछ समय बाद अपनी पुत्री सुप्रिया सुले व चहेते प्रफुल्ल पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष बना देना, उधर राज ठाकरे व उद्धव ठाकरे की सक्रियता और अभी हाल में औरंगजेब, नाथूराम गोडसे का वहां की सियासी माहौल में उतारना, ये बताने के लिए काफी है कि विधान सभा चुनाव आते-आते वहां पर राजनीति कई और रंग दिखाएगी।

> राज ठाकरे व उद्धव ठाकरे की सक्रियता और अभी हाल में औरंगजेब, नाथूराम गोडसे का वहां की सियासी माहौल में उतरना, ये बताने के लिए काफी है कि विधान सभा चुनाव आते-आते वहां पर राजनीति कई और रंग दिखाएगी।

दरअसल, मुंबई राष्ट्र में मोदी, महाराष्ट्र में शिंदे सरकार शीर्षक वाले विज्ञापन पर विपक्ष ने दावा किया कि सत्तारूढ़ भाजपा और शिंदे नीत शिवसेना के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों वाले विज्ञापन के प्रकाशित होने के एक दिन बाद राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन से जुड़ा एक विज्ञापन बुधवार को मराठी अखबारों में छपा, जिसमें शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी तस्वीरें हैं, राज्य में कुछ प्रमुख अखबारों में मंगलवार को प्रकाशित एक पन्ने के विज्ञापन में एक सर्वे के हवाले से मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे को फडणवीस की तुलना में अधिक लोगों की पसंद बताया गया था। हालांकि, इस विज्ञापन में फडणवीस या बाल ठाकरे की तस्वीर नहीं थी।

महाराष्ट्र में 49.3 प्रतिशत मतदाताओं को भाजपा और शिवसेना पसंद

बुधवार को मराठी दैनिकों में प्रकाशित अखबारों में भी एक सर्वेक्षण के हवाले से दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में 49.3 प्रतिशत मतदाता भाजपा और शिवसेना को पसंद करते हैं। इसमें कहा गया है कि 84 प्रतिशत मतदाताओं को लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने देश को विकास की दृष्टि दी है और 62 प्रतिशत मानते हैं कि 'डबल इंजन की सरकार राज्य में विकास कार्य तेजी से कर रही हैं। नये विज्ञापन में शिंदे के राजनीतिक गुरु माने जाने वाले आनंद दिघे के साथ फडणवीस और बाल ठाकरे की तस्वीरें हैं। इसमें राज्य सरकार में शामिल शिवसेना के अनेक मंत्रियों के भी फोटो हैं।

अठावले ने कैबिनेट विस्तार में मांगा मंत्री पद

महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा गठबंधन जल्द ही कैबिनेट विस्तार करने पर विचार कर रही है। इसके लिए मंथन चल ही रहा है कि गठबंधन की सहयोगी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने भी अपने लिए एक मंत्री पद की मांग कर दी है। मुंबई के बाहरी इलाके में आरपीआई कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष रामदास अठावले ने बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र में अगले मंत्रीमंडल विस्तार में अपनी पार्टी के लिए एक मंत्री पद की मांग की है। उन्होंने ये भी कहा कि वह कोशिश करेंगे कि महाराष्ट्र में आरपीआई (अठावले) को दो से तीन लोकसभा सीटें और 10-15 विधानसभा सीटों पर टिकट दिए जाएं। अठावले ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना-भाजपा गठबंधन के साथ मिलकर निकाय चुनाव और जिला परिषद के चुनाव भी लड़ेगी। बीते साल 9 अगस्त को शिंदे फडणवीस सरकार में 18 नेताओं ने मंत्रीपद की शपथ ली थी। हालांकि नियमों के मुताबिक राज्य में मंत्रियों की तय अधिकतम संख्या 43 की है। यही वजह है कि भाजपा और शिवसेना के कई नेता बेसब्री से कैबिनेट विस्तार का इंतजार कर रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार हो सकता है।

भाजपा ने कुछ मंत्रियों को हटाने को कहा: राउत

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन के बीच इन दिनों तनातनी की खबरें आ रही हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि भाजपा ने सीएम शिंदे से अपने कुछ मंत्रियों को मंत्रीमंडल से बाहर करने को कहा है। इसकी वजह इन मंत्रियों की लचर कार्यशैली को बताया जा रहा है। साथ ही भाजपा चाहती है कि मंत्रीमंडल में उनके नेताओं की संख्या बढ़े ताकि फैसले लेने की प्रक्रिया में भाजपा का प्रभाव बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 विधायक हैं और भाजपा के विधायकों की संख्या 100 से ज्यादा है। वहीं शिवसेना को डर है कि मंत्री पद से हटाए गए नेता उद्धव ठाकरे की शिवसेना में जा सकते हैं। वहीं अठावले द्वारा एक मंत्री पद की मांग ने भाजपा और शिवसेना गठबंधन की मुश्किल और बढ़ा दी है।

फिर निकला समान नागरिक संहिता का जिन्न

» राज्यों को मिला है व्यक्तिगत कानून बनाने का अधिकार

» 22 वें विधि आयोग ने मांगी लोगों की राय

» भाजपा का चुनावी दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 चुनाव आने में एक साल रह गया है। केंद्र की भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लाने की तैयारी तेज कर दी है। सरकार की ओर से गठित 22 वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर आम जनता और धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों से विचार विमर्श और राय मांगने का कार्य शुरू कर दिया है।

इस बीच सवाल उठ रहे हैं कि आखिर सरकार को सारी प्रक्रि या को पूरा करने में इतना समय क्यों लग रहा है? वहीं, एक बार फिर से लोगों से राय क्यों मांगी गई है? वहीं विपक्ष ने भी समय को लेकर सवाल उठाया है। विपक्ष ने कहा कि लोक सभा चुनाव नजदीक देखकर भाजपा ऐसा कर रही है ताकि वह इसका चुनाव में लाभ उठा सके। हालांकि, ये पहली बार नहीं है, जब राय मांगी गई है। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के मुद्दे पर आयोग ने साल 2018 में भी एक राय पत्र जारी किया था। पिछले साल दिसंबर में तत्कालीन कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा था कि समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने के प्रयास में राज्यों को उत्तराधिकार, विवाह और तलाक जैसे मुद्दों को तय करने वाले व्यक्तिगत कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। वहीं, केंद्र सरकार ने शीर्ष कोर्ट में दायर अपने एक हलफनामे में कहा था कि देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है। सरकार ने इसके लिए संविधान के चौथे भाग में मौजूद राज्य के नीति निदेशक तत्वों का ब्यौरा दिया।

ये है समान नागरिक संहिता?

समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड का अर्थ होता है भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए एक समान कानून होना, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता लागू होने से सभी धर्मों का एक कानून होगा। शादी, तलाक और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। यूनियन सिविल कोड का अर्थ एक निष्पक्ष कानून है, जिसका किसी धर्म से कोई ताल्लुक नहीं है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य कानूनों का एक समान सेट प्रदान करना है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। देश में संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को लेकर प्रावधान हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य इसे लागू कर सकता है। इसका उद्देश्य धर्म के आधार पर किसी भी वर्ग विशेष के साथ होने वाले भेदभाव या पक्षपात को खत्म करना है।

ढाई लाख सुझाव मिले थे

इस मामले में करीब ढाई लाख सुझाव मिले थे। इसका कमेटी ने अध्ययन कर लिया है। इसके अलावा करीब-करीब सभी हितधारकों से संवाद के बाद कमेटी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए बैठकें कर रही है। केंद्र सरकार ने समान नागरिक संहिता को लाने की एक बार फिर तैयारी तेज कर दी है। विधि आयोग ने बुधवार को समान नागरिक संहिता के मसले पर नए सिरे से परामर्श मांगने की प्रक्रिया शुरू की है। आयोग ने सार्वजनिक व धार्मिक संगठनों से इस मुद्दे पर राय मांगी है।

गुजरात-मध्यप्रदेश को भी इंतजार

वहीं, उत्तराखंड की तर्ज पर गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार ने भी समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। केंद्र सरकार की तरह इन दो राज्य सरकारों को भी जस्टिस रंजना कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है। समान नागरिक संहिता कानून पर गुजरात कैबिनेट मुहर भी लगा चुकी है। भाजपा इस मामले में जनसंख्या नियंत्रण कानून की तर्ज पर कदम उठा सकती है। गौरतलब है, जनसंख्या नियंत्रण के लिए पहले पार्टी शासित राज्यों असम और उत्तर प्रदेश ने कदम उठाए। इसके बाद कई और पार्टीशासित राज्यों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई। सूत्रों का कहना है कि समान नागरिक संहिता मामले में भी भाजपा यही रणनीति अपना सकती है। इसके तहत पहले कुछ राज्य इसे लागू करें और बाद में इसे पूरे देश में लागू किया जाए।

कोई संवैधानिक अड़चन नही

भाजपा की विचारधारा से जुड़े राम मंदिर और अनुच्छेद 370 की राह में कई कानूनी अड़चनें थी, मगर समान नागरिक संहिता मामले में ऐसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट से लेकर कई राज्यों के हाईकोर्ट ने कई बार इसकी जरूरत बताई है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार ने भी शीर्ष अदालत में कहा था कि वह समान कानून के पक्ष में है। संविधान के अनुच्छेद 44 में वर्णित नीति निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता की वकालत की गई है।

कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार

दरअसल, अब देश भर में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सरकार और विधि आयोग को उत्तराखंड सरकार द्वारा जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में गठित कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है। सरकार इसी रिपोर्ट के आधार पर समान नागरिक संहिता को पूरे देश में लागू करने के लिए मॉडल कानून बनाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि देसाई कमेटी रिपोर्ट पेश करने से पहले अंतिम चरण की बैठकें कर रही है। जा रही है कि कमेटी जल्द ही रिपोर्ट पेश कर देगी।

2016 में मांगी थी राय

कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रितु राय अवस्थी के अगुवाई वाले विधि आयोग ने समान नागिरक संहिता के लिए दोबारा से राय मांगने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि पिछला राय पत्र तीन साल से ज्यादा वक्त पहले जारी हुआ था। वह पुराना हो चुका है। आयोग ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर कहा है कि 21वें विधि आयोग ने सीसी पर लोगों और हितधारकों से 7 अक्टूबर, 2016 को राय मांगी थी। फिर 19 मार्च, 2018 और 27 मार्च, 2018 को राय मांगी गई। इसके बाद 31 अगस्त, 2018 को विधि आयोग ने फैमिली लॉ के सुधार के लिए सिफारिश की थी। चूंकि पिछली राय को तीन साल से ज्यादा वक्त बीच चुका है। ऐसे में विषय की गंभीरता और कोर्ट के आदेशों को देखते हुए 22वें विधि आयोग ने इस विषय पर राय लेने का फैसला किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

डायबिटीज मरीजों का बढ़ना चिंता वाली बात

डायबिटीज अब गंभीर समस्या बन चुकी है। डायबिटीज को लेकर आई आईसीएमआर की ताजा स्टडी को एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि भारत का योग यहां का पर्यावरण व आयुर्वेदिक खान-पान इससे निजात दिला सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

जल्द ही हम योग दिवस मनाने वाले हैं। भारत में योग से निरोग बनने रहने की बातें हमलोग बचपन से सुनते आ रहें। चिकित्सकों ने माना है योग से गंभीर बीमारियां दूर हो सकती हैं। पर अभी हाल ही में एक रिपोर्ट आई है जिसमें भारत में तेजी से डायबिटीज के मरीज बढ़ने की बात कही जा रही है। ये एक चिंता देने वाली खबर है। डायबिटीज अब गंभीर समस्या बन चुकी है। डायबिटीज को लेकर आई आईसीएमआर की ताजा स्टडी को एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि भारत का योग यहां का पर्यावरण व आयुर्वेदिक खान-पान इससे निजात दिला सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है। लंबा दिन, चिलचिलाती तेज धूप, पसीना, गर्म हवा आपके शरीर को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं और ब्लड शुगर को बिगाड सकते हैं। गर्मियों के मौसम में ब्लड शुगर को काबू रखने के लिए हाइड्रेटेड रहने के साथ-साथ हेल्दी डाइट लेना, स्टार्च वाले फूड्स से बचना और फाइबर व पानी वाली चीजों का अधिक सेवन करना जरूरी है।

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपको इस मौसम में पानी, नारियल पानी, नींबू और सलाद के साथ सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए। सब्जियों में फाइबर अधिक होता है और फाइबर डायबिटीज के मरीजों के लिए जरूरी होता है। ऐसी कई सब्जियां हैं जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह ब्लड शुगर लेवल को ज्यादा बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में सहायक हो सकती हैं। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली सब्जियों में नॉन-स्टार्च वाली सब्जियां शामिल हैं। ये ऐसी सब्जियां हैं जिनमें कैलोरी कम, पानी और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आए ताजा आंकड़े निश्चित रूप से चौंकाने वाले हैं, लेकिन इन्हें चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-माने हेल्थ जर्नल 'लांसेट' में प्रकाशित इंडियन कार्उंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की ताजा स्टडी के मुताबिक देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गई है। हैरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो बात इन आंकड़ों को ज्यादा गंभीर बनाती है वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मामलों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है तो 15.3 फीसदी लोग प्री-डायबिटीज श्रेणी में हैं। प्री-डायबिटीज कैटिगरी में उन लोगों को रखा जाता है जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इतना ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की कैटिगरी में शामिल किया जा सके। ये ऐसे लोग होते हैं जिनके डायबिटिक होने का अंदेशा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई मामला डायबिटीज में शामिल होगा या नहीं और होगा तो कितने समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक्सपर्ट्स आम तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश की चेतना भी झकझोरे विलंबित न्याय

विश्वनाथ सचदेव

बयालीस साल पहले की बात है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के एक छोटे से गांव साधुपूरा में एक मां की आंखों के सामने उसके तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हत्यारे पकड़े गये थे। मुकदमा भी चला। पर आरोपियों को सजा देने में बयालीस साल लग गये। तीनों हत्यारों में से दो की मौत तो मुकदमा चलने के दौरान ही हो गयी थी। तीसरे को अब सजा मिली है! उम्रकैद की सजा। बच्चों पर गोली चलाने वाला गंगा दयाल अब नब्बे वर्ष का हो चुका है। पता नहीं कितने साल जेल में रहेगा। रहेगा भी या नहीं। आंखों के सामने बच्चों को गोली से तड़पते हुए मरता देखने वाली अभागी मां प्रेमवती भी अब नब्बे साल की है। तीनों गोली चलाने वाले नृशंस अपराधी तब यह कह कर घटनास्थल से चले गये थे कि 'चलो, काम खत्म हुआ!'

तब भले ही उन अपराधियों का काम खत्म हो गया हो, पर नब्बे वर्षीय मां को न्याय मिलने का काम अब भी खत्म नहीं हुआ है। यह सही है कि तीन हत्यारों में से जीवित बचे एक हत्यारे को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनायी है, पर घटना के बयालीस साल बाद मिली इस सजा को क्या सचमुच सजा कहा जा सकता है? और क्या यह विलंब से मिला न्याय सचमुच न्याय कहा जा सकता है? नहीं, न यह सजा पूरी है और न यह न्याय। सच बात तो यह है कि किसी भी मामले में न्याय मिलने में इतना विलंब होने का मतलब हमारी पूरी न्याय-व्यवस्था के औचित्य पर एक सवालिया निशान लगना है। यह सवाल सिर्फ हमारी न्याय-व्यवस्था पर ही नहीं लगा। जब हम यह देखते हैं कि बयालीस साल बाद में मिले इस न्याय के औचित्य को लेकर देश में कहीं कोई हलचल नहीं है तो समाज की संवेदनशीलता भी सवालों के घेरे में आ जाती है। इस संदर्भ में मीडिया की उदासीनता भी परेशान करने वाली है। उस दिन आठ अखबारों में से सिर्फ एक अखबार में 'विलंबित न्याय' का यह समाचार मुझे दिखा था। न ही, किसी समाचार-चैनल ने इस विषय पर बहस करने की आवश्यकता महसूस की।

सोच रहा हूं यह मामला यदि किसी कथित वीआईपी से जुड़ा होता तब भी क्या मीडिया का यही रुख होता? टीआरपी के आधार पर समाचारों की महत्ता की नाप-जोख करने वाले हमारे मीडिया को साधुपूरा के उन तीन बच्चों की नृशंस हत्या उद्वेलित नहीं करती है। होना तो यह चाहिए था कि विलंबित न्याय का यह कांड देश की चेतना को झकझोरते, पूछा जाता कि किसी को

भी न्याय मिलने में इतना विलंब क्यों होना चाहिए? क्यों बरसों बरस लग जाते हैं, किसी को न्याय मिलने में? क्यों दशकों तक लंबित पड़े रहते हैं न्यायालयों के मुकदमे? क्या इसीलिए अपराधी को अपराध करते हुए डर नहीं लगता कि बरसों बाद यदि सजा मिली भी तो उच्चतम न्यायालय तक पहुंचते-पहुंचते जिंदगी कट जायेगी? हमारी अदालतों में लंबित मामलों की संख्या करोड़ों में है। वर्ष 2021 का एक आंकड़ा मेरे सामने है। इसके अनुसार उस वर्ष साढ़े चार करोड़ मामले हमारी अदालतों में लंबित थे। दो वर्ष पूर्व 2019 में यह संख्या सवा तीन करोड़ थी। इसका अर्थ है एक साल में अदालतों में लंबित मामलों में लगभग सवा करोड़ बढ़ गयी। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश में आज हर मिनट 23 मामले लंबित की सूची में जुड़ जाते हैं! आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2022 में उच्चतम न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या 71411 थी! हमारी न्याय व्यवस्था इस आधार पर टिकी है कि सौ अपराधी भले ही छूट जाएं, पर एक भी निरपराध को सजा नहीं मिलनी चाहिए। गलत नहीं है यह आधार, पर यह देखना भी तो जरूरी है कि बयालीस साल तक कोई अपराधी हमारी न्याय-प्रणाली की कमियों का लाभ न उठाता रहे। निकट अतीत के ही उदाहरण लें। दिल्ली के 'उपहार' सिनेमा कांड में अठारह साल लग गये थे अपराधियों को सजा मिलने में। राजधानी दिल्ली के ही 'निर्भया-कांड' में अपराधियों को सजा देने में आठ साल लग गये थे। सवाल उठता है कि न्याय मिलने में इतना समय क्यों लगता है? पहला उत्तर तो यही है कि हमारी न्याय-प्रणाली ही कुछ इस तरह की है कि निरपराधियों को बचाने की प्रक्रिया में अपराधी भी लाभ उठा लेते हैं। दूसरा उत्तर हमारी अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या का आवश्यकता से कम होना है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या और न्यायालय में मिलने वाला विलंबित न्याय वर्षों से विचार-विमर्श का विषय रहा है।

विलंबित न्याय की यह समस्या अति गंभीर है, इसका समाधान होना ही चाहिए और शीघ्र होना चाहिए यह समाधान। यह आंकड़ा भयभीत करने वाला है कि आज जितने प्रकरण न्यायालयों में लंबित हैं यदि उनमें और न जुड़ें, तब भी, इन्हें वर्तमान गति से निपटाने में तीन सौ साल लग जाएंगे! इस स्थिति को न्याय का नकार ही कहा जा सकता है।

फसल उत्पाद मूल्य निर्धारण के नीतिगत सवाल

इंद्रजीत सिंह

कुरुक्षेत्र में किसानों द्वारा हाल ही में हाईवे पर लगाए गए धरने को हर्षोल्लास के साथ उठा लिया गया जब प्रशासन ने मौके पर आकर सरकार की ओर से गिरफ्तार नेताओं की रिहाई और सूरजमुखी की खरीद करने का आश्वासन आंदोलनकारियों को दिया। यदि सरकार की सोच सही होती और वह खुद तय किए गए समर्थन मूल्य पर सूरजमुखी की खरीद कर लेती तो किसानों को भयंकर गर्मी में यह कदम नहीं उठाना पड़ता। किसानों का जो आक्रोश पिछले दिनों सड़कों पर फूटा है वह ऊपरी तौर पर सूरजमुखी के रेट का विवाद लगता है। परंतु वास्तव में इसे किसानों में एकत्र गहरे असंतोष के परिणाम के रूप में देखा जाना चाहिए जो देशभर में और विशेषकर हरियाणा-पंजाब में बार-बार प्रकट हो रहा है।

कुरुक्षेत्र जिला के शाहबाद में सूरजमुखी उत्पादक किसानों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग करने पर गत छह जून को किये गए लाठीचार्ज और किसान नेताओं की गिरफ्तारी की घटना ने आग में घी का काम किया। इसके बाद बारह जून को कुरुक्षेत्र स्थित पीपली में महापंचायत में उमड़ा किसानों का हुजूम कृषि के गहराते संकट का स्पष्ट संकेत था। इस आयोजन में खास तौर से संयुक्त किसान मोर्चा व अन्य किसान संगठनों के वे चेहरे दिखाई दिये जिनकी अगुवाई में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 13 महीने लंबा सफल किसान आंदोलन चला था। दरअसल, किसान आंदोलन में दूसरा बड़ा मुद्दा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दिये जाने का था जोकि आज तक लंबित है और विभिन्न रूपों में सामने आ रहा है। इस मामले को संयुक्तत किसान मोर्चा अब सर्वोच्च प्राथमिकता पर ले आया है। बता दें कि 9 दिसंबर, 2021 को केंद्र के जिस लिखित संदेश के उपरांत किसान आंदोलन स्थगित किया गया था उसमें एमएसपी मामले पर कमेटी गठित करने का आश्वासन था जिसे बाद में तरजीह न दिये जाने को किसान आंदोलन के नेतृत्व ने छल की तरह देखा। कालांतर में चरणबद्ध रूप में एमएसपी पर खरीद के सवाल बेशक अलग-अलग प्रदेशों में उठे परंतु यह राष्ट्रीय मुद्दा बनना तय है। सूरजमुखी खरीद के मुद्दे पर कुरुक्षेत्र में हुए आंदोलन का फिलहाल पटाक्षेप हो गया परंतु इसके निहितार्थ समझने जरूरी हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्र व राज्य सरकारें एक तरफ तो लगातार दावा करती हैं कि एमएसपी है और रहेगी वहीं दूसरी ओर जो फसल मंडी में आती है उसे खरीदा नहीं जाता। हाल में शाहबाद प्रकरण में सरकार के मुताबिक, सूरजमुखी का जो भाव मिल रहा है किसान उसी पर बेच दें और सरकार 1000 रुपये प्रति क्विंटल भावांतर के रूप में उनके खातों में डाल देगी। सूरजमुखी की निजी खरीद का रेट 4000 से 4800 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि एमएसपी 6400 रुपये है। एक हजार रुपये भावांतर मिल भी जाए तो करीब डेढ़ हजार रुपये प्रति क्विंटल घाटा किसान को होता है। सूरजमुखी तिलहन की फसल है और इससे वनस्पति तेल निकलता है। कई दशकों से सरकार, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विभाग की ओर से किसानों को गेहूं-धान के फसल चक्र में बदलाव करने को प्रेरित किया जा रहा है। सूरजमुखी के अलावा मक्का आदि की फसलों पर भी जोर दिया जाता रहा।

कुरुक्षेत्र जिला और साथ लगते इलाके के किसानों ने सरकार की सिफारिशों पर सूरजमुखी, मक्का व अन्य कई फसलों को गेहूं-धान के स्थान पर अपनाया है। यहां सब्जी भी प्रमुख फसल है। सूरजमुखी से पहले जरा सब्जियों व मक्का की दशा? पर गौर करें। कुछ माह पहले किसान का आलू मात्र 2 रुपये प्रति किलो पिट रहा था। प्याज की भी यही स्थिति हुई। आजकल कुरुक्षेत्र मंडी में मक्का फसल को सुखाया जा रहा है जिसका समर्थन मूल्य 2008 रुपये प्रति क्विंटल है इसके बावजूद मक्का 1000-1200 रुपये क्विंटल बिक रहा है। इसी तरह सरसों हरियाणा के कई जिलों में रबी की मुख्य फसल है। इसका समर्थन मूल्य 5450 रुपये क्विंटल था परन्तु 4000 रुपये खरीदी गई। विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार, सिर्फ हरियाणा में ही इस सीजन में किसानों को सरसों में 20000 करोड़ रुपये घाटा हुआ। देश में खाद्य तेल की कुल खपत का 60 प्रतिशत विदेशों से आयात होता है। जाहिर है आयात कंपनियों को बेतहाशा मुनाफे हो रहे हैं।

दूसरी ओर सरसों की औने-पौने दाम पर खरीद के बावजूद उपभोक्ताओं के लिए भी तेल सस्ता नहीं किया जाता। यह मात्र एक उदाहरण है। वहीं फसलों का लागत मूल्य बहुत तेजी से बढ़ता रहा है और भाव उसके अनुरूप नहीं बढ़ते। दरअसल कृषि लागत व मूल्य आयोग द्वारा विभिन्न फसलों के एमएसपी निर्धारण की मौजूदा प्रणाली दोषपूर्ण है। इसमें पूरे लागत मूल्य का आकलन नहीं किया जाता। इसके बजाय स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुरूप सी-2+50 फीसदी फार्मूले के आधार पर एमएसपी निर्धारण से किसानों को कुछ राहत प्राप्त हो सकती है। इस फार्मूला में लागत बढ़ने से समर्थन मूल्य भी बढ़ने का प्रावधान है। फसल खरीद के रेट और उपभोक्ता के लिए खुदरा मूल्य में हैरान करने वाला अंतर है। नीतियों की बदौलत यह अंतर कहीं न कहीं कार्पोरेट के फायदे में लगता है। बेशक मुद्दे छोटे हैं लेकिन किसान आंदोलन राजनीतिक नेतृत्व से सवाल करेंगे कि वह उन नीतियों पर स्थिति स्पष्ट करें जो कृषि की दशा, बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक विषमता के लिए जिम्मेदार हैं। यह भी कि मौजूदा नीतियों के बजाय वे कौनसी नीतियों के पक्षधर हैं।

गर्मियों में खाएं ये देसी सब्जियां, नहीं बढ़ेगा डायबिटीज

गर्मियों का मौसम वैसे तो सभी के लिए बुरा होता है लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है। लंबा दिन, चिलचिलाती तेज धूप, पसीना, गर्म हवा आपके शरीर को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं और ब्लड शुगर को बिगा? सकते हैं। गर्मियों के मौसम में ब्लड शुगर को काबू रखने के लिए हाइड्रेटेड रहने के साथ-साथ हेल्दी डाइट लेना, स्टार्च वाले फूड्स से बचना और फाइबर व पानी वाली चीजों का अधिक सेवन करना जरूरी है। फैट टू स्लिम की डायरेक्टर और न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा के अनुसार, अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपको इस मौसम में पानी, नारियल पानी, नींबू और सलाद के साथ सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए। सब्जियों में फाइबर अधिक होता है और फाइबर डायबिटीज के मरीजों के लिए जरूरी होता है। ऐसी कई सब्जियां हैं जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह ब्लड शुगर लेवल को ज्यादा बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में सहायक हो सकती हैं। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली सब्जियों में नॉन-स्टार्च वाली सब्जियां शामिल हैं। ये ऐसी सब्जियां हैं जिनमें कैलोरी कम, पानी और फाइबर की मात्रा अधिक होती है।

करेला

बेशक करेला कड़वा है लेकिन यह एंटीऑक्सीडेंट से भरा होता है। इसमें ब्लड शुगर को कम करने वाले प्रभाव और इंसुलिन जैसे यौगिक होते हैं जो आपके ब्लड शुगर को कंट्रोल रखते हैं। करेला का रस डायबिटीज के रोगियों के लिए अमृत माना जाता है, जिसे आप सुबह ले सकते हैं।

पालक

यह पत्तेदार सब्जी पोषक तत्वों से भरपूर और कैलोरी में बहुत कम होती है। यह आयरन से भी भरपूर होता है, जो ब्लड फ्लो को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।

ब्रॉकली

पोषक तत्वों से भरपूर ब्रोकली फाइबर का एक तगड़ा स्रोत है और यही वजह है कि इस सब्जी डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बढ़िया फूड माना जाता है। ब्रोकोली में सल्फोराफेन्स पाए जाते हैं सेल्स को डैमेज होने से बचाते हैं।

टमाटर

टमाटर का जीआई बहुत कम होता है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा दिल को स्वस्थ रखने में सहायक है और इम्यून पावर बढ़ाती है। इसके अलावा आप लौकी, कद्दू, हरी बीन्स और खीरे का अधिक सेवन कर सकते हैं।

फूलगोभी

फूलगोभी प्रोटीन, फास्फोरस, पोटेशियम और मैग्नीशियम से भरा होता है। ये सभी डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। इस सब्जी में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। इसके अलावा इसकी हाई फाइबर सामग्री ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में भी फायदेमंद होती है।

शतावरी

यह एक नॉन-स्टार्च वाली सब्जी है जिसमें कैलोरी भी बहुत कम होती है। इसमें फाइबर की मात्रा भी ज्यादा होती है। यह ग्लूटाथियोन नामक एक एंटीऑक्सिडेंट का बढ़िया स्रोत है, जो शुगर को कंट्रोल करने और इंसुलिन उत्पादन को बढ़ाने का काम करता है।

हंसना मना है

एक बार पप्पू को अकबर के सैनिकों ने पकड़ लिया और दरबार में लेके गये... अकबर: कौन हो तुम? पप्पू: महाराज मैं पप्पू हूं... अकबर: इतनी रात को हमारे महल में क्या कर रहे थे? पप्पू: कुछ-कुछ नहीं महाराज (घबराते हुए) अकबर: सैनिकों, इसे ले जाओ और बंदी बना दो... पप्पू: महाराज रहम करो, मुझे बंदी मत बनाओ मुझे बंदा ही रहने दो।

घर के बाहर पति काफी देर से इंतजार कर रहा था। पति: अरे और कितनी देर लगाओगी? पत्नी: चिल्ला क्यों रहे हो? आधे घंटे से कह रही हूं कि पांच मिनट में आ रही हूं। समझ में नहीं आता है क्या?

पप्पू शराब पीकर गाड़ी चला रहा था, अचानक गाड़ी एक खम्बे से टकरा गयी पुलिस: बाहर निकल, पप्पू: माफ कर दो दरोगा जी, पुलिस: दारू पी के गाड़ी चलाता है, मुंह खोल, पप्पू: अरे नहीं साब, पहले से खूब पी रखी है और कितना पिलाओगे।

मास्टर: पढ़ाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं। पप्पू:मैं तो खूब पढ़ाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो, पिता (बेटे से): देखो बेटे, जुआ नहीं खेलते ।यह ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे। बेटा: बस, पिताजी। मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोड़ कर खेला करूंगा !

कहानी — सिंह और सियार

वर्षों पहले हिमालय की किसी कन्दरा में एक बलिष्ठ शेर रहा करता था। एक दिन वह एक भैंसे का शिकार और भक्षण कर अपनी गुफा को लौट रहा था। तभी रास्ते में उसे एक मरियल-सा सियार मिला जिसने उसे लेटकर दण्डवत् प्रणाम किया। जब शेर ने उससे ऐसा करने का कारण पूछा तो उसने कहा, सरकार मैं आपका सेवक बनना चाहता हूँ। कुपया मुझे आप अपनी शरण में ले लें। मैं आपकी सेवा करुँगा और आपके द्वारा छोड़े गये शिकार से अपना गुजर-बसर कर लूंगा। शेर ने उसकी बात मान ली और उसे मित्रवत अपनी शरण में रखा। कुछ ही दिनों में शेर द्वारा छोड़े गये शिकार को खा-खा कर वह सियार बहुत मोटा हो गया। प्रतिदिन सिंह के पराक्रम को देख-देख उसने भी स्वयं को सिंह का प्रतिरुप मान लिया। एक दिन उसने सिंह से कहा, अरे सिंह ! मैं भी अब तुम्हारी तरह शक्तिशाली हो गया हूँ। आज मैं एक हाथी का शिकार करुंगा और उसका भक्षण करुंगा और उसके बचे-खुचे माँस को तुम्हारे लिए छोड़ दूँगा। चूँकि सिंह उस सियार को मित्रवत् देखता था, इसलिए उसने उसकी बातों का बुरा न मान उसे ऐसा करने से रोका। भ्रम-जाल में फँसा वह दम्भी सियार सिंह के परामर्श को अस्वीकार करता हुआ पहाड़ की चोटी पर जा खड़ा हुआ। वहाँ से उसने चारों ओर नज़रें दौड़ाई तो पहाड़ के नीचे हाथियों के एक छोटे से समूह को देखा। फिर सिंह-नाद की तरह तीन बार सियार की आवाजें लगा कर एक बड़े हाथी के ऊपर कूद पड़ा। किन्तु हाथी के सिर के ऊपर न गिर वह उसके पैरों पर जा गिरा। और हाथी अपनी मस्तानी चाल से अपना अगला पैर उसके सिर के ऊपर रख आगे बढ़ गया। क्षण भर में सियार का सिर चकनाचूर हो गया और उसके प्राण पखेरु उड़ गये। पहाड़ के ऊपर से सियार की सारी हरकतें देखता हुआ सिंह ने तब यह गाथा कही होते हैं जो मूर्ख और घमण्डी, होती है उनकी ऐसी ही गति।

सीख: घमंड और मूर्खता का साथ बहुत गहरा होता है, इसलिए कभी भी ज़िंदगी में किसी भी समय घमण्ड नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। कामकाज में सावधानी बरतने की जरूरत हैं। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। जरूरी कामों को आज दूसरों के भरोसे न छोड़े।

वृषभ

मन आज आध्यात्म में ज्यादा लगा रहेगा। आज आप घर पर ही परिवार वालों के साथ मांगलिक काम का आयोजन करेंगें। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें।

मिथुन

आज ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। बिजनेस में आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलने वाला है। आपकी कोशिशें अपनी छाप छोड़ी जाएंगी। इससे आर्थिक स्थिति काफी मजबूत बनेगी।

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन खुशियों भरा होगा। आज मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। पूराने निवेश से आज आपको लाभ होगा।

सिंह

सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला हैं। आज लोगों का आपके उपर भरोसा बढ़ेगा। बिजनेस मामलों में आज आप सही ढंग से अपनी बात रख पाएंगे।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। रचनात्मक सोच आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आज आपकी रचनाओं की लोग तारीफ करेंगे।

तुला

तुला राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपकी कोशिश अपनी छाप छोड़ी जाएगी। लंबे समय से चल रही रुकावटें आज खत्म हो जाएंगी।

वृश्चिक

आज किस्मत साथ देगी। आप कुछ ऐसे काम करने के लिए तैयार रहिए, जिसे करने से आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करें। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

धनु

आज आप जिन काम को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा देगी। सोशल मिडिया के जरिए आज आप समाजिक संगठन से जुड़ेंगें जो की आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा।

मकर

भविष्य के लिए योजनाएं बनाने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। आज आपके सामने कुछ ऐसी परिस्थितियां सामने आएंगी, जिससे आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। पिछले किए गए प्रयासों का फल मिलने वाला है। आपकी भूमिका नेतृत्वकारी भी हो सकती है। कुछ नए मौके भी मिलेंगे जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे।

मीन

आज कोर्ट कचहरी से जुड़ें मामले थोंडे रूक सकते है और साथ ही किसी बडें वकिल की राय भी आपके लिए बहुत अच्छी साबित हो सकती है। आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है।

वास्तविक जीवन के संघर्षों को दर्शाने आ रहे हैं

नवाजुद्दीन और अवनीत

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर स्टारर फिल्म टीकू वेड्स शेरू का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे हैं लंबे इंतजार के बाद प्राइम वीडियो की नई फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में नवाजुद्दीन के साथ के साथ टीवी स्टार अवनीत कौर लीड रोल में हैं। चलो अब थोड़ी चर्चा ट्रेलर पर कर लेते हैं।

14 जून को नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर की फिल्म टीकू वेड्स शेरू का ट्रेलर रिलीज हो गया है। टीकू वेड्स शेरू दो सनकी, बहुत ही रोमांटिक किरदार, एक सपने देखने वाली टीकू (अवनीत कौर) और एक संघर्ष करने वाले शेरू (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) की कहानी है। ट्रेलर में अनोखे कपल एक जूनियर कलाकार और एक महत्वाकांक्षी एक्ट्रेस के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को दिखाया जाता है। जो सपनों के शहर मुंबई में अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक साथ इस मुश्किल यात्रा को शुरू करते हैं। बाद में यही जोड़ी दो

जिस्म एक जान बन जाती है।

फिल्म का ट्रेलर दमदार है। नवाज की एक्टिंग पर कुछ भी कहना कम लगता है। पर हां ट्रेलर में अवनीत की एक्टिंग इंप्रेसिव दिखी। नवाज जैसे एक्टर के सामने अवनीत बेहद कॉन्फिडेंस के साथ अपना किरदार निभाती दिखीं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया, टीकू वेड्स शेरू एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो वास्तविक जीवन के संघर्षों को दर्शाता है। जिससे लोग एक अनोखी प्रेम कहानी के माध्यम से गुजरते हैं। टीकू और शेरू, बहुत अलग व्यक्तित्व हैं, जिनका एक ही सपना है। शेरू के बारे में मुझे जो बात उत्साहित करती है। वो ये है कि मनोरंजन जगत में सफलता प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए, वह भरोसे के साथ अपनी खुद की पहचाना बनाता है और एक प्यारे चरित्र के रूप में उभर कर आता है। अवनीत बताती हैं, मैंने कुछ टीवी शो में काम किया है और डिजिटल स्पेस को भी एक्स्प्लोर किया है। पर टीकू वेड्स शेरू मेरे करियर में एक बड़ा अचीवमेंट है। न केवल लीड एक्ट्रेस के रूप में यह मेरी पहली हिंदी फीचर फिल्म है, बल्कि मुझे कंगना मैम और नवाजुद्दीन सर जैसे फिल्म जगत के दिग्गजों के साथ काम करने का मौका मिला है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मैंने मुंबई और बॉलीवुड का कड़वा सच भी देखा है : कंगना रनौत

कंगना रनौत फिल्म टीकू वेड्स शेरू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस इस फिल्म में काम तो नहीं कर रही हैं, लेकिन उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी उठाई है। बीते दिन कंगना ने टीकू वेड्स शेरू का ट्रेलर लॉन्च किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर स्टारर इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर कंगना रनोट ने मुंबई में अपने संघर्ष के दिनों को लेकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने उन लोगों का भी जिक्र किया, जो मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री में कुछ काम करने के लिए आते हैं, लेकिन बाद में कहीं गायब हो जाते हैं। इंडियन एक्सप्रेस डॉट कॉम की खबर के अनुसार, एक्ट्रेस ने ट्रेलर लॉन्च में कहा, नवाज सर सहित हम सभी उन संघर्षपूर्ण दिनों से गुजरे हैं। आज हमारे पास सब कुछ है, स्टारडम है और फैंस हैं, और दुनिया हम पर बहुत मेहरबान है, लेकिन हमने मुंबई का दूसरा पक्ष भी देखा है और बॉलीवुड के कड़वे सच से रूबरू हुए हैं, जिसे हम शैडी ऑडिशन ऑफिस और ऑफर की तरह जानते हैं। टीकू वड्स शेरू की बात करते हुए कंगना ने आगे कहा, ये फिल्म उन लोगों के लिए प्यार और लव लेटर है, जो जो शहर में आते हैं और कहीं अपने सपने खो देते हैं, लेकिन अंत में कुछ अधिक सार्थक पाते हैं। हम बाहर से आए हैं, और हमने इस तरह के संघर्ष देखे हैं, लेकिन किसी तरह केवल एक अचीवर की फिल्म ही सेल्युलाइड तक पहुंचती है...पर यहां लाखों लोग हैं, जो रोज मुंबई आते हैं। ये लोग कहां जाते हैं ? उनके साथ क्या होता है ? टीकू वेड्स शेरू की बात करें तो ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। इसके साथ एक्ट्रेस अवनीत कौर बॉलीवुड में एंट्री कर रही हैं, ये उनकी डेब्यू फिल्म है। टीकू वड्स शेरू 23 जून को अमेजन प्राइम पर रिलीज हो रही है।

अक्षरा सिंह के गाने पर फिदा हुए विक्रम भट्ट

विक्रम भट्ट उनकी अपकमिंग फिल्म 1920 द हॉरर्स ऑफ द हार्ट के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म में अविका गौर लीड रोल प्ले कर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान जब विक्रम से उनकी पत्नी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने

भोजपुरी सिंगर अक्षरा सिंह और उनके गाने की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस गाने में अक्षरा का एटीट्यूड काफी अच्छा है। इस दौरान विक्रम ने अक्षरा के एक गाने को गाकर भी सुनाया। अक्षरा ने भी विक्रम का ये वीडियो अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर किया है। अक्षरा की तारीफ करते हुए विक्रम भट्ट ने कहा, मेरे दिमाग में एक गाना चल रहा था। अक्षरा जी का गाना थ। मैंने देखा यूट्यूब पर ये गाना है। क्या गाना है। क्या एटीट्यूड है उनका। मैं फिदा हो गया। इसके बाद विक्रम भट्ट ने अक्षरा सिंह के गाने को गाया। अक्षरा के इस गाने का नाम इधर आने का नहीं है। विक्रम भट्ट का वीडियो अक्षरा ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से विक्रम भट्ट का ये वीडियो शेयर किया है।

'V' शेप में क्यों उड़ता है पक्षियों का झुंड? इसके पीछे छिपी है साइंस

आपने आसमान में पक्षियों को उड़ते जरूर देखा होगा। आपने ये भी ध्यान दिया होगा कि बहुत सारे पक्षी जब भी झुंड में उड़ते हैं तो वे 'V' शेप बनाते हैं। एक के पीछे एक पक्षी ने ऐसी कतार बनाई होती है कि वे सभी एक साथ 'V' शेप में नजर आते हैं। ये भी दिलचस्प बात है कि वे लंबी दूरी तक वी शेप में ऐसे ही उड़ते रहते हैं, उनमें एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ नहीं होती है। लेकिन क्या आपको पता है पक्षी ऐसा क्यों करते हैं। आपको जानकर हैरानी है कि वैज्ञानिक भी इस टॉपिक पर लंबे समय तक बहस कर चुके हैं। हालांकि, फिर रिसर्च में कुछ अहम बातें निकलकर सामने आईं, जिनसे पता चला कि पक्षी झुंड में 'V' शेप के आकार में क्यों उड़ते हैं? हम अपने आसपास जो भी चीजें देखते हैं उन सबके पीछे कुछ ना कुछ साइंस होती है। इसी तरह पक्षी जब झुंड में उड़ते हैं तो वी शेप क्यों बना लेते हैं इसके पीछे भी साइंस ही है। रिसर्च में सामने आया कि पक्षियों के वी शेप में उड़ने के दो मुख्य कारण हैं। पहला ये कि वी शेप में उड़ने की वजह से उन्हें उड़ने में आसानी होती है। ऐसा करने की वजह से वो आपस में टकराती भी नहीं हैं।

दूसरा कारण है कि पक्षियों के झुंड में एक पक्षी लीडर होता है। वह उड़ते समय बाकी पक्षियों को गाइड करता है। जब पक्षी झुंड में उड़ते हैं तो वो सबसे आगे रहता है। बाकी सभी उसके पीछे-पीछे उड़ते रहते हैं। कई साइंटिस्ट इस मत पर सहमत हैं। वहीं, लंदन विश्वविद्यालय के रॉयल वेटरनरी कॉलेज की एक रिसर्च में पता चला कि पक्षी जब झुंड बनाकर वी शेप में उड़ते हैं तो आसमान में उड़ान भरते समय हवा को काटना आसान होता है। इससे साथ में उड़ रहे पक्षियों के लिए भी उड़ना आसान हो जाता है। ऐसा करने से उनकी काफी एनर्जी भी बचती है। रिसर्चर्स ने ये भी कहा कि पक्षियों में वी शेप में उड़ने की कला छोटे पर से ही नहीं होती है। वे झुंड में रहते-रहते ये सीख जाते हैं।

अजब-गजब | **अजीबो-गरीब है इसके पीछे की वजह**

दुनिया के इन शहरों में लगा है मरने पर प्रतिबंध

दुनिया का सबसे बड़ा और अटल सत्य ये है कि जिसका भी जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित है। हर इंसान को एक न एक दिन दुनिया को अलविदा कहकर जाना ही पड़ता है। इसे हम चाह कर भी रोक नहीं सकते हैं। मृत्यु पर किसी का जोर नहीं चल पाया है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि दुनिया में कुछ जगहें ऐसी भी हैं, जहां मरना मना है, तो आप क्या कहेंगे? जी हां, ये सुनने में भले ही अजीब है लेकिन दुनिया में कई ऐसी जगहे हैं, जहां मृत्यु कानून के खिलाफ है। आइए हम आपको इन जगहों के बारे में बताते हैं, साथ ही हम जानेंगे कि इसके पीछे की वजह क्या है...

इत्सुकुशिमा, जापान- इत्सुकुशिमा जापान का एक द्वीप है, जो एक पवित्र स्थान माना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि सन 1868 तक यहां पर लोगों को मरने या जन्म देने की अनुमति नहीं थी। इससे भी ज्यादा अजीब बात ये है कि इस जगह पर आज भी कोई कब्रिस्तान या अस्पताल नहीं है।

लैंजारोट, स्पेन- स्पेन के लैंजारोट में स्थानीय कब्रिस्तान अक्सर भरे रहते हैं। इस परेशानी को देखते हुए साल 1999 में ग्रेनाडा प्रांत के गांव के मेयर ने लोगों की मौत पर ही प्रतिबंध लगा दिया था। यह कदम एक राजनीतिक कदम के रूप में लिया गया था, लेकिन यह

बिलकुल सच था। इस प्रांत के 4000 की आबादी को तब तक जीने की सलाह दी गई थी, जब तक नगरपालिका को नया कब्रिस्तान नहीं मिल जाता है।

कुग्नॉक्स, फ्रांस- फ्रांस के कुग्नॉक्स का हाल भी कुछ ऐसा ही है, जहां के मेयर को साल 2007 में नए कब्रिस्तान की अनुमति नहीं मिली थी। ऐसे में उसने लोगों की मृत्यु पर ही बैन लगा दिया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने लोकल कब्रिस्तान को चौड़ा कर दिया था, जिसके बाद इस बैन को हटा दिया गया।

लॉन्गइयरव्येन, नॉर्वे- नॉर्वे का ये छोटा सा शहर लोंगइयरव्येन, कोयला खनन के लिए काफी मशहूर है। इस जगह भी लोगों का मरना या उन्हें दफनाना क़ानूनी अपराध माना जाता है। इसके पीछे ये वजह बताई जाती है कि, ये छोटा सा शहर आर्कटिक सर्कल के काफी नजदीक है। इसलिए यहां का मौसम आमतौर पर ठंडा ही रहता है, जिससे पर्माफ्रॉस्ट मृत शरीर को सड़ने से बचाता है। लेकिन इससे संक्रमित बीमारियों के पनपने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यदि लोंगइयरब्येन में कोई मरने की स्थिति में होता है तो उन्हें तुरंत नॉर्वे के दूसरे शहरों के लिए रवाना कर दिया जाता है। **ले लवंडौ, फ्रांस**- फ्रांस के ले लवंडो में भी मृत्यु पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि वहां मेयर को एक नया कब्रिस्तान बनवाने की अनुमति नहीं मिली थी। साल 2000 में इस कानून के पारित होने के बाद लोगों को शहर के भीतर मरने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

'बिना झूठ बोले शिवराज का खाना हजम नहीं होता'

» कमलनाथ बोले- हमारी सरकार सौदे से चली गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान का क्या हैं, वे तो जब तक झूठ नहीं बोलते उनका दिन का खाना हजम नहीं होता। पांच महीने बाद चुनाव होने वाला है अब उनको बहने याद आ रही हैं, किसान याद आ रहे हैं, कर्मचारी याद आ रहे हैं। शिवराज जी कह रहे हैं हम इसका मानदेय बढ़ाएंगे, इसकी तनखा बढ़ाएंगे यह सब फर्जी गुमराह और उनके झूठ बोलने की आदत है, वे जब तक झूठ नहीं बोलते उनका खाना हजम नहीं होता, 18 साल में उन्होंने 22000 घोषणा की है, झूठ भी इनसे शर्मा जाता है।

पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सरकार सौदे से चली गयी, लेकिन मैंने सौदे की राजनीति नहीं की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उस समय बहुत सारे अफसरों पर चर्बी चढ़ी थी, उनको बदलना जरूरी हो गया था। हमारे सामने सिस्टम को बदलने की चुनौती थी। ब्यूरोक्रेसी में कुछ अफसरों को निष्ठावान बनाना था। कमलनाथ ने कहा कि मेरी सरकार में 27 लाख किसानों का कर्जा माफ हुआ, यह पहली किस्त थी, दूसरी किस्त चालू करने वाला था, हमारी सरकार गिर गई, साढ़े 11 महीने में हमने अपनी नीति और नियत का परिचय दिया ।

भाजपा सरकार ने तीन लाख तीस हजार करोड़ का कर्जा चढ़ाया

पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने तीन लाख तीस हजार करोड़ का कर्जा लिया। क्या इसमें से कुछ राशि आपको दी, क्या अतिथि शिक्षकों मिला? हर गांव में हमारे नौजवान बेरोजगार घूम रहे हैं। हमारी माताओं-बहनों ने अपने बच्चों को कितने प्यार से पाला पोसा है, लेकिन उसका बच्चा आज नौजवान भटक रहा है। आज का नौजवान कैसा भविष्य का निर्माण करेगा सबसे बड़ी चुनौती है, मुझे प्रदेश में बेरोजगारी की सबसे बड़ी चिंता है, कृषि क्षेत्र की भी चिंता है। नाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों को मानदेव और वर्दी दी जायेगी, ताकि उनका सम्मान बना रहे, क्योंकि नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य ही गांव के रक्षक होते हैं, संस्कृति के रक्षक होते हैं और आपको गांव का ही नहीं संस्कृति का भी रक्षक बनकर प्रदेश और देश के भविष्य का निर्माण करना है जो आपकी बड़ी जिम्मेदारी है।

कमजोर सीटों पर भाजपा को वॉकओवर नहीं देंगे: मोढवाड़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्य प्रदेश में रानीतिक तौर पर महत्व रखने वाले मालवा-निमाड़ क्षेत्र का पर्यवेक्षक कांग्रेस ने गुजरात के विधायक अर्जुन मोढवाड़िया को बनाया है। वे गुरुवार को इंदौर आए। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर कांग्रेस लगातार हार रही है। उसके लिए इस बार अलग विशेष रणनीति बनाई गई है। उन सीटों पर कांग्रेस वॉकओवर नहीं देगी,बल्कि भाजपा को चुनौती मिलेगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने भी कांग्रेस मजबूत उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। मोढवाड़िया ने कहा कि जनता अब भाजपा सरकार से बोर हो चुकी है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस जीत दर्ज कराई थी, लेकिन भाजपा ने पैसों के दम पर जनादेश लूट लिया। इस बार कांग्रेस की स्थिति पहले से ज्यादा मजबूत है। भाजपा सरकार ने जो भष्ट्राचार किया है। उसे जनता भी पीड़ित है।

मप्र में बांध प्रभावितों को पैसा दलाल खा गए

सरदार सरोवर बांध को लेकर मोढवाड़िया ने कहा कि गुजरात सरकार ने बांध प्रभावितों का पूरा पैसा चुकाया है। जमीन के बदले बाजार मूल्य से पैसा दिया गया, लेकिन प्रभावितों तक पैसा नहीं पहुंचा। मध्य प्रदेश में उनका पैसा दलाल खा गए। हमारी सरकार बनी तो इसकी जांच कराई जाएगी।

टिकट वितरण में भी कांग्रेस तेरा मेरा की मानसिकता नहीं चलेगी। लगातार चुनाव हारने वाले नेता को लेकर भी कोई क्राइटेरिया नहीं है। जिसकी स्थिति मजबूत होगी, उसे टिकट मिलेगा। टिकटों की घोषणा भी इस बार जल्दी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां कई बड़े नेता है। अक्सर बड़े नेताओं के बीच मतभेद रहते है, लेकिन मध्यप्रदेश में सब एकजुट है। इसका फायदा कांग्रेस को मिलेगा। बूथ स्तर कांग्रेस का कार्यकर्ता सक्रिय है।

डीएमके कार्यकर्ताओं को उकसा रही बीजेपी: स्टालिन

» मंत्री की गिरफ्तारी पर भड़के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को उकसाने की चेतावनी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हमें उकसाओ मत। डीएमके या उसके कार्यकर्ताओं को भड़काएं नहीं। यह धमकी नहीं बल्कि चेतावनी है। सीएम स्टालिन ने 10 साल पहले दी गई शिकायत पर बालाजी को जल्दबाजी में गिरफ्तार करने की जरूरत पर सवाल उठाया।

सीएम स्टालिन ने सवाल किया कि मैं जांच को गलत नहीं कह रहा हूं, लेकिन वह एक सामान्य व्यक्ति नहीं है। वह पांच बार विधायक हैं और दूसरी बार मंत्री हैं। उसे बंद करके एक आतंकवादी की तरह उससे सवाल क्यों करते हैं? स्टालिन ने दावा किया कि सेंथिल बालाजी के सहयोग के लिए राजी होने के बाद भी ईडी ने दबाव बनाया, जिसके बाद बालाजी ने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। सीएम स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ईडी, केंद्रीय जांच ब्यूरो और आयकर द्वारा छापे कुछ और नहीं बल्कि भाजपा का विरोध करने वालों के खिलाफ डराने की रणनीति थी।

यूपी में भी पड़ेगा बिपरजॉय का प्रभाव

» पूर्वी यूपी में चलेंगी गर्म हवाएं, पश्चिम में बारिश से भीगेंगे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी तट पर आद चक्रवात बिपरजॉय का असर उत्तर प्रदेश समेत परे उत्तर भारत में पड़ेगा। जहां पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17 जून तक तपते-दिन और रात लोगों को परेशान करते रहेंगे। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश-बिजली की संभावना हैं। शनिवार से धूल भरी आंधी, बादल, बिजली व बारिश के आसार हैं। पश्चिम यूपी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 19 जून तक ऐसे ही हालात बने रह सकते हैं।

वहीं, आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भी लू चलेगी, जो आगे भी जारी रहेगा। बृहस्पतिवार को झांसी-प्रयागराज 43 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ सबसे गर्म रहे। फुरसतगंज में रात का पारा 32..4डिग्री दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिक अतुल

कुमार सिंह के मुताबिक, ये अब तक के इतिहास में फुरसतगंज/रायबरेली की सबसे गर्म रात है। वहीं बाराबंकी में न्यूनतम तापमन 31, सुल्तानपुर में 31..4, वाराणसी में 31..7 डिग्री रिकार्ड किया गया। जकि झांसी-प्रयागराज में दिन का तापमान 43 डिग्री पार बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में पारा 40 से नीचे दर्ज हुआ है।

18 को होगी तेज बारिश

मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भी लू की चेतावनी जारी की गई है। 17 जून से धूल भरी हवाएं और बादल-बिजली का असर प्रदेश के पूर्वी व पश्चिमी इलाकों में रहेगा। 18 को हवा की रफ्तार और तेज हो के आसार हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 19 जून को भी कमोबेश ऐसे ही हालात बने रहने के आसार हैं।

चक्रवातीय असर से बदलेगी हवा

15 जून को बिपरजोय चक्रवात के सौराष्ट्र व कच्छ के तट से टकराने के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लू का प्रभाव खत्म हो गया है, पूर्वी उत्तर प्रदेश से भी जल्द खत्म हो जाएगा। लखनऊ में भी चक्रवातीय प्रभाव दिखेगा और हवा ठंडी होगी। वैज्ञानिक के मुताबिक, अभी तक जो सिस्टम डेवलप हो रहा है, उसमें 18 से 21 जून तक पूर्वी भारत और उसकी सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के हिस्सों में मानसून के संकेत मिल सकते हैं। फिलहाल, लखनऊ में मानसून देर से राहत लेकर आएगा।

एशिया कप में खेलेंगे श्रेयस और बुमराह!

» पाकिस्तान को मेजबानी मिली, श्रीलंका देगा साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप के आगामी संस्करण की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। वह हाइब्रिड मॉडल के तहत इस टूर्नामेंट का आयोजन करेगा। पाकिस्तान एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका के साथ मिलकर करेगा। उसके यहां चार मैच खेले जाएंगे। वहीं, श्रीलंका में नौ मैचों का आयोजन होगा। मेजबानी की बात जैसे ही साफ हुई, भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए एक खुशखबरी सामने आई। टीम इंडिया के दो स्टार खिलाड़ी जल्द ही वापसी करेंगे। दरअसल, दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोटों के कारण लंबे समय से बाहर चल रहे हैं। इस बात की उम्मीद लगाई जा रही है कि दोनों खिलाड़ी एशिया कप से वापसी कर सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, बुमराह और अय्यर इस टूर्नामेंट से वापस टीम इंडिया में आना चाहते हैं। इसके लिए दोनों खिलाड़ी लगातार मेहनत कर रहे हैं।

आठ-नौ महीनों से बाहर हैं बुमराह

बुमराह पीठ की चोट के कारण सितंबर 2022 से टीम से बाहर हैं। इस कारण वह ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप भी नहीं खेल पाए थे। पीठ की चोट के कारण वह पिछले आठ से नौ महीनों से बाहर हैं। अप्रैल में बुमराह की न्यूजीलैंड में पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी हुई थी। चिकित्सा प्रक्रिया सफल रही और बुमराह को दर्द से मुक्त होने में मदद मिली। वह आईपीएल के 16वें सीजन में नहीं खेल पाए थे। अय्यर की बात करें तो उन्होंने अप्रैल में अपनी बार-बार होने वाली पीठ के निचले हिस्से की चोट के लिए पीठ की सर्जरी कराने का फैसला किया। वह लगातार अपनी पीठ के निचले हिस्से में उभरी हुई डिस्क से परेशान थे। इसके कारण उन्हें मार्च में अहमदाबाद में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का अंतिम टेस्ट को बीच में ही छोड़ना पड़ा था। उसके बाद मई में लंदन में उनकी सर्जरी हुई थी। अय्यर आराम करने की सलाह दी गई थी और उनका रिहैबिलिटेशन जारी है।

एनसीए में हैं दोनों खिलाड़ी

ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, बुमराह और श्रेयस दोनों खिलाड़ी अब रिकवरी के लिए एनसीए में हैं। एनसीए का मेडिकल स्टाफ दोनों खिलाड़ियों के सितंबर में एशिया कप के लिए उपलब्ध होने को लेकर आशान्वित है। समझा जाता है कि बुमराह मुख्य रूप से फिजियोथैरेपी करा रहे हैं लेकिन उन्होंने गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। वहीं, श्रेयस अब फिजियोथेरेपी करा रहे हैं।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

ममता सरकार फिर पहुंची हाईकोर्ट

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती के खिलाफ दायर की समीक्षा याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कलकत्ता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को पंचायत चुनाव के लिए राज्य के सभी जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती के लिए आदेश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि 48 घंटे के भीतर राज्य चुनाव आयोग को केंद्रीय बलों के लिए केंद्र से अनुरोध करना होगा। अब इसी मामले को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार हाईकोर्ट पहुंच गई है। राज्य सरकार ने पंचायत चुनावों के लिए जिलों में केंद्रीय बलों की तैनाती के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है।

उल्लेखनीय है कि विपक्षी पार्टियां राज्य पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची थीं। गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम की खंडपीठ ने उनकी याचिकाओं पर फैसला सुनाया था।

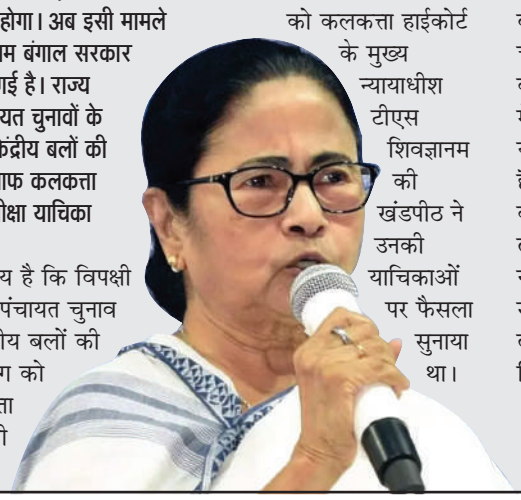

वहीं, एक अधिकारी ने राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में एक और याचिका लगाई है। उन्होंने मांग की है कि जिन लोगों को नामांकन करने से रोका गया है, उनको दोबारा से मौका मिले।

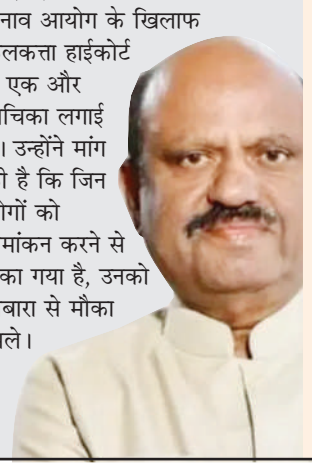

दक्षिण 24 परगना में हिंसा, दो की मौत

दरअसल, पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के नामांकन का गुरुवार को आखिरी दिन था। राज्य के अलग-अलग जिलों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। कहीं मारपीट हुई तो कहीं गोली और बम चले। गुरुवार को पूरे दिन प्रदेश भर में हिंसा जारी रही। इस हिंसा ने तीन लोगों की जान ले ली है। दक्षिण 24 परगना में हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई है। 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी हैं। उनको अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई जगह धारा 144 लागू कर दी गई है, जबकि कई जगह इंटरनेट सेवा बंद करने की खबर भी आ रही है।

बंगाल सरकार और गवर्नर आमने-सामने

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। कुलाधिपति होने के नाते राज्यपाल डा. सीवी आनंद बोस ने 11 यूनिवर्सिटी के वीसी की नियुक्ति की, तो राज्य सरकार ने उनके वेतन रोकने का सर्कुलर जारी कर दिया। राज्य सरकार का विश्वविद्यालयों में आतंक का आलम यह है कि जिन्हें राज्यपाल ने वीसी बनाया, उनमें एक ने तो ज्वाइन ही नहीं किया। बाकी ने ज्वाइन किया तो राज्य सरकार ने उनका वेतन रोकने का फरमान जारी कर दिया है। पिछले साल तत्कालीन गवर्नर जगदीप धनखड़ से राज्य सरकार का टकराव इतना बढ़ा था कि सीएम ममता बनर्जी ने खुद को कुलाधिपति बनाने के लिए अध्यादेश ही जारी कर दिया। अध्यादेश को राज्यपाल ने मंजूरी नहीं दी। अध्यादेश में यह भी प्रावधान था कि वीसी की नियुक्ति के लिए पांच सदस्यों की सर्च कमेटी बनेगी। पहले भी सर्च कमेटी थी, लेकिन उसमें तीन ही सदस्य होते थे। नई कमेटी में तीन सदस्य राज्य सरकार के ही रखने का अध्यादेश में प्रावधान है। ममता बनर्जी को यह नागवार लगा है कि राज्यपाल ने अध्यादेश की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसीलिए राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने नवनियुक्त वीसी का वेतन रोकने का आदेश पारित किया है। उनकी नियुक्ति नियम विरुद्ध मानी गई है।

कुपवाड़ा में मुठभेड़ में पांच आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के एलओसी के जुमागुंड इलाके में मुठभेड़ के दौरान पांच आतंकी मारे गए। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी जारी है। मौके पर बड़ा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार घटनास्थल से हथियार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार सुबह इलाके में आतंकियों के एक दल के सक्रीय होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस और सेना की संयुक्त टीम इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। जब सुरक्षाबल एक ठिकाने की तरफ बढ़ तो आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकियों के मारे जाने की सूचना है।

» सर्च ऑपरेशन जारी, हथियार बरामद

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मच्छिल सेक्टर में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की साजिश को नाकाम करते हुए ऑपरेशन डोगा नार के तहत मंगलवार को दो आतंकियों को मार गिराया। मारे गए दहशतगर्दों के पास से हथियार और गोला बारूद बरामद। सेना के अनुसार मारे गए आतंकवादियों की शिनाख्त और उनके संगठन का पता लगाया जा रहा है। दोनों के पाकिस्तानी होने का संदेह है।जसेना के एक अधिकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सहयोगी एजेंसियों से माच्छिल सेक्टर में आतंकियों द्वारा घुसपैठ किए जाने के इनपुट मिले थे। इसके आधार पर 12 और 13 जून की दरमियानी रात को माच्छिल सेक्टर के डोगा नार इलाके को जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के जवानों ने घेरे में ले लिया। इस दौरान कई जगहों पर मोर्चे लगाए गए। एक सैन्य अधिकारी के अनुसार जंगल क्षेत्र होने के चलते विशेष सतर्कता बरतते हुए इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। रात भर दुर्गम इलाके में जवान मोर्चा संभाले रहे।

वहीं, मंगलवार दोपहर करीब एक बजे जवानों को इलाके में हथियारों से लैस दो आतंकी एलओसी के इस पार घुसपैठ का प्रयास करते हुए दिखाई दिए। इस दौरान पहले से मोर्चा लगाए टीमों द्वारा उन्हें ललकारा गया। इसके जवाब में घुसपैठियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकियों को मार गिराया।

मांझी भाजपा को देते थे सूचना : नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जीतनराम मांझी के महागठबंधन से अलग होने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वे भाजपा से मिले हुए थे। अगर साथ रहते तो विपक्षी दलों की होने जा रही बैठक की बातें भाजपा तक पहुंचा देते। मांझी के भाजपा के करीब जाने की जानकारी थी।

» सीएम बोले- अच्छा हुआ चले गए

नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने खुद मांझी के सामने पार्टी का जदयू में विलय करने या अलग होने की पेशकश की थी। मांझी ने अलग होने का फैसला किया। बता दें कि हाल ही में जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने सीएम नीतीश के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही बिहार की सियासत में घमासान मच गया था।

संतोष सुमन के विधान परिषद की सदस्यता छह मई 2024 तक है। ऐसे में नीतीश कुमार से बगावत करने के बाद भी संतोष सुमन 11 महीने तक विधान पार्षद बने रहेंगे। बता दें कि सुमन विधानसभा कोटे से विधान परिषद के सदस्य हैं। इस हिसाब से सुमन की सदस्यता पर भी कोई खतरा नहीं है।

कर्नाटक में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ने पुलिसकर्मी को रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के कलबुर्गी में अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर ने पुलिसकर्मी को रौंद दिया। इस हादसे में पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। खबर के अनुसार, घटना कलबुर्गी के जेवारगी तालुक के नारायणपुर इलाके की है।

» अवैध रेत खनन कर रहे लोगों को रोका था

नारायणपुर में नेलोगी पुलिस स्टेशन का एक पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर पुलिसकर्मी को आता दिखाई दिया। पुलिसकर्मी ने उस ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की तो ट्रैक्टर चालक ने पुलिसकर्मी को ही रौंद दिया और मौके से फरार हो गया। घटना में पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सख्त कार्रवाई होगी : प्रियांक

वहीं कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि मैंने पहले भी पुलिस विभाग को अवैध बालू खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। घटना की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक सरकार के मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर ने रेत माफिया द्वारा पुलिसकर्मी की ट्रैक्टर से रौंदकर हत्या करने पर चिंता जाहिर की और कहा कि यह बेहद चौंकाने वाला है। हमें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस मामले में न्याय होगा।

फोटो: 4पीएम

आदिपुरुष रिलीज माइथोलॉजिकल ड्रामा आदिपुरुष रिलीज हो चुकी है। लखनऊ के तमाम सिनेमाघरों में हनुमानजी की फोटो फ्रेम रखकर एक सीट रिजर्व की गई है।

तबाही, भयानक मंजर छोड़कर आगे बढ़ा बिपरजॉय

» हजारों गांवों की बिजली गुल

» सैकड़ों पेड़ उखड़े, 22 से ज्यादा लोग घायल

» एनडीआरएफ और एसडीआरएफ रेसक्यू में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। गुजरात तट पर चक्रवात बिपारजॉय ने शाम 4.30 बजे दस्तक दी और इसके टकराने की प्रक्रिया मध्यरात्रि तक पूरी हुई। इस चक्रवात के कारण गुजरात के कई इलाकों में तेज हवा के कारण पेड़ उखड़ गए। कई लोग घायल हुए हैं। गुजरात में तबाही मचाने के बाद अब बिपरजॉय राजस्थान की तरफ बढ़ा। गुजरात के कई इलाकों में बिपरजॉय तूफान का खासा असर देखने को मिल रहा है।

तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। तूफान के कारण कई पेड़ और खंभे गिर गए हैं। कई इलाकों में बत्ती गुल हो गई है। गुरुवार शाम बिपरजॉय का लैंडफॉल हुआ था। इसके प्रभाव को देखते हुए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की कई टीमें तैनात की गई हैं। अरब सागर से 10 दिन पहले उठा बिपरजॉय तूफान गुरुवार शाम गुजरात के कच्छ में जखाऊ पोर्ट से टकरा गया। बिपरजॉय की वजह से गुजरात के कई जिलों में तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश हो रही हैं। कच्छ और सौराष्ट्र के तट बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। तेज हवा के चलते जखाऊ और मांडवी में कई पेड़, होर्डिंग्स और बिजली के खंभे उखड़ गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।